सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 195 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 22 अगस्त, 2025
मूल्य ₹ 3/-

जब आप सांस लेते हैं, आप भगवान से शक्ति ले रहे होते हैं। जब आप सांस छोड़ते हैं तो ये उस सेवा को दर्शाता है जो आप दुनिया को दे रहे हैं।
-बी के एस आयंगर

मेरठ के सामने ढेर हो गए गोरखपुर के... 7 | सहयोगियों ने बढ़ाया भाजपा का... 3 | अब न हकमारी चलेगी न मतमारी... 2

सुप्रीम डे : कई अहम मामलों पर फैसला, सरकारों पर भी अंकुश

बिहार मतदाता सूची संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आज से सुनवाई शुरू

» मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद में अहम सुनवाई

» संभल मस्जिद विवाद में 25 अगस्त तक जस की तस स्थिति के आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज आवारा कुत्तों की ज़ंजीर, मतदाता नामों का गायब होना। संभल मस्जिद विवाद श्री कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद का विवाद जैसे संवेनशील मुद्दो पर भारत के सुप्रीम कोर्ट ने एतिहासिक आदेश और गाइडलांइस जारी की।

इन आदेशों से सरकारों को भी गंभीर संदेश देने का प्रयास किया गया है। उन्हें मनमानी नहीं करनी चाहिए और कोई भी निणर्य संविधान के दायरे में ही किए जाने चाहिए। आज का दिन न्याय की तराजू पर तीन अलग-अलग सच एक साथ रखे जाने वाले अहम दिन के तौर पर था। इंसान और जानवर के बीच सहअस्तित्व की जद्दोजहद को लेकर कोर्ट ने लोगों की भावनाओं का आदर करते हुए अपने मूल आदेश में संशोधन किया। कोर्ट ने संभल मस्जिद विवाद में 25 अगस्त तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया। उन्होंने हिंदू याचिकाकर्ताओं को नोटिस भी जारी किया। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर की पीठ ने यह आदेश पारित किया।

पीठ के निर्देश अब पूरे भारत में लागू

दो न्यायाधीशों की पीठ के निर्देश अब पूरे भारत में लागू हैं। सभी संबंधित मामले सुप्रीम कोर्ट को स्थानांतरित कर दिए गए हैं। आवारा कुत्तों पर प्रतिबंध लगाने वाला दो न्यायाधीशों की पीठ का पिछला आदेश यथावत है, लेकिन एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है, इसलिए निर्देशों में संशोधन किया गया है। नगरपालिका अधिकारियों को आवारा कुत्तों को छोड़ने से रोकने वाले निर्देश को छोड़कर, अन्य सभी निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए। रेबीज या आक्रामक व्यवहार वाले कुत्तों को नहीं छोड़ा जाना चाहिए, जबकि अन्य को अनुमति दी जा सकती है।

वैक्सीनेशन के बाद मूल स्थान पर छोड़े जाएंगे कुत्ते

सार्वजनिक स्थानों पर खिलाया खाना तो लगेगा जुर्माना

कुत्तों पर संशोधित आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों को लेकर अपने पुराने आदेश में संशोधन करते हुए आज एक नया अंतरिम फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा है कि अब वैक्सीनेशन के बाद कुत्तों को उनके मूल इलाकों में ही छोड़ा जाएगा लेकिन रेबीज से पीड़ित या आक्रामक कुत्तों को छोड़े जाने की अनुमति नहीं होगी। साथ ही सड़कों पर कुत्तों को खाना खिलाने पर भी पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई है। इसके बजाय नगर निगम (एमसीडी) को कुत्तों के लिए विशेष फीडिंग स्थल बनाने का निर्देश दिया गया है ताकि व्यवस्थित तरीके से उनकी देखभाल हो सके। कोर्ट ने कहा है कि सिर्फ निर्धारित जगहों पर ही कुत्तों की फीडिंग की जाएगी। इसके अलावा कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि अगर कोई इन नियमों की अवहेलना करता हुआ पाया गया तो निश्चित तौर पर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट ने सार्वजनिक स्थानों पर कुत्तों को फीडिंग करने की अनुमति नहीं दी है।

डॉग लवर्स की जीत

कांग्रेस की मान्यता रद्द करने की अर्जी

एक जनहित याचिका ने कांग्रेस की मुसीबत बढ़ा दी है। सतीश कुमार अग्रवाल नाम के व्यक्ति ने चुनाव आयोग के खिलाफ गंभीर आरोप लगाने पर कांग्रेस की मान्यता रद्द कराने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल डाली है। राहुल गांधी ने हाल ही में वोट चोरी का मुद्दा उठाया है।

संभल जामा मस्जिद विवाद

संभल मस्जिद विवाद में 25 अगस्त तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया। उन्होंने हिंदू याचिकाकर्ताओं को नोटिस भी जारी किया। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर की पीठ ने यह आदेश पारित किया। शीर्ष अदालत मस्जिद समिति की ओर से दायर एक अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें शाही जामा मस्जिद और हरिहर मंदिर विवाद में संभल की एक अदालत की ओर से दिए गए सर्वेक्षण के खिलाफ उसकी याचिका खारिज कर दी गई थी और सर्वेक्षण के लिए सिविल अदालत के निर्देश को बरकरार रखा गया था। उच्च न्यायालय ने कहा था कि कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करने का आदेश और मुकदमा विचारणीय है।

एसआईआर पर राजनीतिक दलों की निष्क्रियता पर सुप्रीम कोर्ट की फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बिहार के राजनीतिक दलों को मसौदा मतदाता सूची से बाहर रह गए लोगों को दावे और आपत्तियां दर्ज कराने में मदद करने में निष्क्रियता के लिए फटकार लगाई। शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी चुनाव आयोग द्वारा यह टिप्पणी किए जाने के बाद आई है, जो चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कर रहा है। आयोग ने कहा कि जनता की आलोचना के बावजूद किसी भी प्रमुख राजनीतिक दल ने कोई आपत्ति या शिकायत दर्ज नहीं कराई है। सुप्रीम कोर्ट ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि हम केवल राजनीतिक दलों की निष्क्रियता से हैरान हैं। बीएलए (बूथ-स्तरीय एजेंट) नियुक्त करने के बाद, वे क्या कर रहे हैं? लोगों और स्थानीय राजनीतिक व्यक्तियों के बीच दूरी क्यों है? राजनीतिक दलों को मतदाताओं की सहायता करनी चाहिए। मामले में 12 राजनीतिक दलों को पक्षकार बनाते हुए शीर्ष अदालत ने उन्हें निर्देश दिया कि वे पार्टी कार्यकर्ताओं को आदेश जारी करें कि वे लोगों को चुनाव आयोग द्वारा सूचीबद्ध 11 दस्तावेजों या आधार कार्ड में से किसी के साथ अपनी शिकायत दर्ज कराने में सहायता करें।

अब न हकमारी चलेगी न मतमारी : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख ने भाजपा व चुनाव आयोग पर साधा निशाना

» भाजपा सरकार संवेदनहीन है, 18 हजार में से केवल 14 शपथपत्रों का ही मिला जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा व चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा है कि चुनाव आयोग से लेकर जिलाधिकारी तक और सीओ से लेकर लेखपाल तक सब जुगाड़ करने के बाद भी भाजपा, चुनाव आयोग, जिलाधिकारी की तिकड़ी अभी तक हमारे द्वारा दिए गए 18 हजार एफिडेविट में से सिर्फ 14 शपथपत्रों के बारे में ही सफाई दे पाई है।

अखिलेश ने कहा कि न चलेगी हकमारी, न मतमारी। इस बार पीडीए सरकार हमारी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पीडीए समाज का वोट कटवाकर या कुछ समय के लिए हटवाकर वोट का हक छीना। स्वास्थ्य सेवाओं पर हमला बोलते हुए कहा कि मरीजों को इलाज नहीं मिल रहा है। स्वास्थ्य विभाग में बदइंतजामी और भारी भ्रष्टाचार है, जिसके कारण लोगों की जान भी चली जा रही है।

जमीनी हकीकत सरकारी आंकड़ों के विपरीत

यादव ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर भाजपा सरकार संवेदनहीन है। सरकार कागजी आंकड़ों के जरिए गुमराह करती है जबकि जमीनी हकीकत सरकारी आंकड़ों के विपरीत है। गंभीर मरीजों को भी बेड और इलाज मिलना मुश्किल हो रहा है। भाजपा सरकार नाकाम हो चुकी है। सरकार हर मामले में फेल है। जो मेडिकल कॉलेज बने है, उनमें पर्याप्त डॉक्टर और दवाएं नहीं है। भ्रष्टाचार और बेईमानी चरम पर है। सरकारी बजट की लूट है। जनता त्रस्त है। भाजपा सरकार ने प्रदेश को अव्यवस्था में धकेल दिया है। भाजपा सरकार जाएगी तभी जनता को राहत मिलेगी।

स्वास्थ्य मंत्री सिर्फ बयानबाजी तक सीमित

उन्होंने कहा कि लखनऊ समेत प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों में बेड और जरूरी सुविधाओं की बहुत कमी है। भाजपा सरकार ने नौ साल में सब बर्बाद कर दिया है। स्वास्थ्य मंत्री सिर्फ बयानबाजी तक सीमित है। विभागीय समस्याओं और अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों की जरूरतों के प्रति उदासीन हैं। मरीजों को इलाज नहीं मिल रहा है। स्वास्थ्य विभाग में बदइंतजामी और भारी भ्रष्टाचार है, जिसके कारण लोगों की जान भी चली जा रही है। राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों में बेड और जरूरी सुविधाओं की बहुत कमी है। भाजपा सरकार ने नौ साल में सब बर्बाद कर दिया है। स्वास्थ्य मंत्री सिर्फ बयानबाजी तक सीमित है। विभागीय समस्याओं और अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों की जरूरतों के प्रति उदासीन है। लखनऊ समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए दिन खबरें आती है बीमार बच्चों, मरीजो को आपात स्थिति में भी बेड और इलाज नहीं मिल पाता है। जिलों-जिलों से रेफर कर आने वाले मरीज बेड के लिए रात दिन भटकते हैं। अन्ततः थक हार कर निजी अस्पतालों में जाने पर विवश होते हैं। जहां उनसे इलाज के नाम पर मनमानी वसूली होती है।

भाजपा को विपक्ष में जाने के बाद आती है कर्मचारियों की याद : सुक्खू

» सीएम बोले- बिजली बिल मामले की होगी जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने विपक्ष के वाकआउट पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा अपनी सरकार के समय कर्मचारियों पर लाठी और पानी की बौछार करती रही। अब विपक्ष में जाने के बाद भाजपा को कर्मचारियों की याद आई है। विधानसभा परिसर में मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष का वाकआउट केवल ध्यान भटकाने के लिए है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार के समय कर्मचारियों को ओपीएस नहीं दी गई। अब केंद्र सरकार से मिलने वाले 1600 करोड़ की एडीशनल बोरोइंग रोकने की कोशिश की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी विधायक सुनने को तैयार नहीं हैं। भाजपा सरकार ने कर्मचारियों के लिए छठे पे कमीशन की घोषणा की, लेकिन 10,000 करोड़ की देनदारियां छोड़कर गई और कर्मचारियों के लिए डीए की घोषणा की, लेकिन चुकाया नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने कर्मचारियों को पुरानी पेंशन दी है। कर्मचारियों के मामले में विपक्ष की स्थिति उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली है। उन्होंने कहा कि पूर्व भाजपा सरकार को 2017 से 2022 तक 8000 करोड़ से लेकर 11 हजार करोड़ रुपये तक की आरडीजी केंद्र सरकार से मिलती रही। वर्तमान सरकार को केवल 3500 करोड़ रुपये की आरडीजी मिली है। प्रदेश के कर्मचारियों के एनपीएस का 9000 करोड़ केंद्र के पास है। इसमें 4500 करोड़ राज्य सरकार का हिस्सा है, उस पर भी केंद्र सरकार कुंडी लगाकर बैठी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के विधायक पढ़कर नहीं आते हैं। हिमाचल इस समय आपदा के दौर में है और हिमाचल के कर्मचारी भी इस बात अवगत हैं, सरकार जल्द ही कर्मचारियों की देनदारियां चुकाएगी।

वहीं, मुख्यमंत्री सुक्खू ने अपने और मंत्रियों के सरकारी आवास के बिजली बिल के मामले में कहा कि उनके 14 महीने का बिल 3 लाख और आएस बाली का 6 लाख रुपये का बिल आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतना बिल देखकर उन्हें भी हैरानी हुई तो जांच करने को कहा। अधिशासी अभियंता ने भी इतना बिल न होने की बात कही। अगर बिजली बिल की राशि अधिक दर्शाने के पीछे राजनैतिक कारण सामने आए तो कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बिजली बोर्ड को बिल की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

राहुल गांधी की सुरक्षा बढ़ाई जाए : अजय राय

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने गृहमंत्री को भेजा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र भेजा है। इसमें लोकसभा में नेता प्रति पक्ष राहुल गांधी की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। भेजे गए पत्र में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि दो दिन पूर्व दिल्ली राज्य की मुख्यमंत्री के साथ एक व्यक्ति ने हाथापाई की। उनको व्यक्तिगत रूप से चोट पहुंचाने का प्रयास किया है।

मुख्यमंत्री के साथ यह घटना उस समय हुई जब वह जन-सुनवाई कर रही थीं। जन-प्रतिनिधि को अपने राजनीतिक और सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के लिए जन-सामान्य और समर्थकों से संवाद के लिए सदैव उपलब्ध रहना पड़ता है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की व्यक्तिगत सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। राहुल गांधी कांग्रेस और भारत की राजनीति के सर्वाधिक लोकप्रिय राजनेताओं में से एक हैं। उन्होंने विगत वर्षों

में जनता से सीधे संवाद स्थापित करते हुए अनेक कार्यक्रमों का नेतृत्व किया है, जिसमें भारत जोड़ो यात्रा और लोक सभा चुनाव प्रचार इत्यादि प्रमुख हैं। वर्तमान समय में राहुल गांधी बिहार में जन-अधिकार यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसमें उनके विचारों को सुनने और देखने के लिए लाखों नागरिक जुट रहे हैं। इन परिस्थितियों में उचित होगा कि राहुल गांधी को बिना चूक वाली उच्चतम स्तर की व्यक्तिगत सुरक्षा प्रदान की जाए। राहुल गांधी के प्रिय परिजन आतंकी हिंसा का शिकार हुए हैं, जिनमें सुरक्षा चूक एक प्रमुख कारक रही है इसलिए उनकी सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की जाए।

अपना वादा पूरा करें सीएम : जूली

» नेता प्रतिपक्ष बोले- जल्द हो प्रवासी राजस्थानियों के लिए भवन निर्माण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रवासी राजस्थानियों के लिए प्रस्तावित भवन के निर्माण में हो रही देरी पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर इस कार्य को शीघ्र शुरू करने की मांग की है।

जूली ने पत्र में उल्लेख किया कि पिछले माह अमेरिका यात्रा के दौरान एनआरआई फेडरेशन के चेयरमैन दीपक कावड़िया और प्रवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात की थी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने भवन निर्माण का वादा किया था। इस संदर्भ में जून महीने में प्रवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी, जहां उन्हें 15 दिन में कार्रवाई का आश्वासन मिला था। हालांकि, दो माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी अब तक काम शुरू नहीं हुआ है। जूली ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के हित में भवन निर्माण राज्य सरकार की जिम्मेदारी है और यह राज्य के लिए गौरव का विषय भी है। उन्होंने बताया कि प्रवासी भारतीय न केवल आर्थिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक योगदान से भी भारत की प्रगति में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रवासी राजस्थानियों ने विदेशों में रहते हुए भी अपनी मातृभूमि से गहरा जुड़ाव बनाए रखा है और निवेश, रोजगार सृजन, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया है।

भाजपा में बढ़ गई गुटबाजी

मंत्री प्रतिभा शुक्ला के पति पूर्व सांसद से संगठन ने मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के भीतर अंदरूनी कलह और गुटबाजी खुलकर सामने आई है। इसके बाद महिला कल्याण राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला के पति पूर्व सांसद अनिल शुक्ला वारसी और पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज शुक्ला व राजेश तिवारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। सभी से सात दिन के भीतर जवाब मांगा गया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी के निर्देश पर पार्टी के मुख्यालय प्रभारी और महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला की ओर से बृहस्पतिवार को नोटिस जारी किया गया है। इसमें पार्टी ने तीनों नेताओं की बयानबाजी और गतिविधियों को पार्टी के आचरण के विपरीत माना है। इसे अनुशासनहीनता बताया है। पार्टी नेतृत्व ने यह चेतावनी भी दी है कि तय समय सीमा में संतोषजनक जवाब न देने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। 25 जुलाई को भाजपा कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला और उनके पति अनिल शुक्ला वारसी ने थाने में धरना दिया था। मौजूदा सांसद देवेन्द्र सिंह भोले के गुट के लोगों पर गंभीर आरोप लगाए थे। इसके जवाब में भोले गुट के माने जाने वाले कानपुर देहात के पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज शुक्ला, राजेश तिवारी ने सोमवार को प्रेसवार्ता कर राज्यमंत्री और उनके पति पर गंभीर आरोप लगाए।

सहयोगियों ने बढ़ाया भाजपा का तनाव

» अगले विस चुनाव में दिखेगा नया दावं!

» रालोद, निषाद पार्टी, सुभासपा और अपना दल-एस के नेता दिखे एक मंच पर

» मछुआरों के मुद्दे पर भरी हुंकार, निशाने पर रहा विपक्ष व सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आने वाले समय क्या भाजपा को अपने ही सहयोगियों से दो-दो हाथ करना पड़ेगा। ऐस इसलिए क्योंकि देश के सबसे बड़े सूबे यूपी में भारतीय जनता पार्टी नीत गठबंधन एनडीए के चार दल , दिल्ली में एक साथ एक मंच पर दिखे। उन्होंने एक खास मुद्दे पर बीजेपी की मोदी सरकार से अहम मांग की। इस तरह सहयोगियों के साथ आने से भाजपा के पेशानी पर बल आ गया है।

बता दे दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में निषाद पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन और 10वें स्थापना दिवस उत्सव का आयोजन किया गया था। जहां, हजारों की संख्या में पहुंचे मछुआरा समाज के लोगों ने अपनी एकजुटता और शक्ति का प्रदर्शन कर यह जताने की कोशिश की कि, अब उनकी आवाज़ को दबाना संभव नहीं है। इस दौरान, विभिन्न सहयोगी दलों के शीर्ष नेताओं की उपस्थिति ने उनके इस आयोजन को और भी मजबूती प्रदान करने का काम किया।

अब यह अन्याय ज्यादा दिन नहीं चलेगा : डॉ. संजय कुमार निषाद

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. संजय कुमार निषाद (कैबिनेट मंत्री, मत्स्य विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, निषाद पार्टी) ने कहा, आज का दिन केवल उत्सव नहीं, बल्कि संकल्प और एकता का प्रतीक है, दस साल पहले जब निषाद पार्टी की नींव रखी गई थी, तब समाज की आवाज़ उठाना कठिन था। अब यह अन्याय ज्यादा दिन नहीं चलेगा।अगर निषाद समाज दिल्ली पहुंच सकता है तो लखनऊ विधानसभा का घेराव करने से भी पीछे नहीं हटेगा। लेकिन आज यह पार्टी न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे भारत में मछुआरे, बिंद, केवट, मल्लाह, कुंवर, गोंड, कश्यप और अन्य मेहनतकश समाजों की मज़बूत आवाज़ बन चुकी है। हमारे समाज का सबसे बड़ा मुद्दा आरक्षण और संवैधानिक अधिकार है। यह लड़ाई तब तक चलेगी जब तक समाज को उसका हक़ नहीं मिल जाता. चाहे जितना समय लगे, आरक्षण मिलेगा ही। उन्होंने आगे कहा कि 70 वर्षों तक कांग्रेस और उत्तर प्रदेश में 19 वर्षों तक सपा-बसपा की सरकारों ने भेदभाव की राजनीति करके समाज को हक़ से वंचित रखा।

बिहार चुनाव में उतरने की घोषणा

इस मौके पर डॉ. निषाद ने बिहार विधानसभा चुनाव में उतरने की भी औपचारिक घोषणा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि, वे जातीय और क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर उठकर समाज की ताक़त को संगठित करें। उन्होंने कहा, यह लड़ाई किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की है संगठन ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है।

राष्ट्रीय लोकदल ने भी कदम से कदम मिलाए

इस मौके पर राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव एवं बिजनौर से सांसद चेतन चौहान ने कहा, किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह और स्व. अजीत सिंह जी ने हमेशा किसानों और पिछड़ों की आवाज़ को उठाया. आज वही लड़ाई डॉ. संजय निषाद लड़ रहे हैं. दिल्ली में मछुआरा समाज की जिस ऐतिहासिक एकजुटता को हमने देखा है, वह भविष्य की राजनीति का संकेत है राष्ट्रीय लोकदल और हमारे अध्यक्ष जयंत चौधरी पूरी मजबूती से आपके साथ खड़े हैं।

नेताओं और कार्यकर्ताओं की भारी भीड़

कार्यक्रम में ई0 प्रवीण निषाद, मालती देवी निषाद, एसके तोमर, अनिल निषाद, रघुराई निषाद, कमलेश निषाद, रविन्द्र मणि निषाद, मिठाई लाल निषाद, जनकनंदनी निषाद, बाबू राम निषाद, व्यास मुनि निषाद, संजय सिंह, बाबूलाल केवट, बेलस निषाद, महेंद्र निषाद, हरिओम निषाद, राकेश निषाद, अजय सिंह, सुमित सिंह, वीरेंद्र ढाडा, बैजान ककाटी, संजय शुक्ला, हरि प्रसाद निषाद, डॉ. अमित निषाद सहित बड़ी संख्या में राष्ट्रीय पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा और रालोद में बढ़ा मनमुटाव

मथुरा की छाता विधानसभा सीट से विधायक और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण ने रालोद को पटपांव (दुर्भाग्यशाली) बताते हुए कहा कि जिस पार्टी के साथ उसका गठबंधन हुआ, उसका सूपड़ा साफ हो गया। भाजपा-रालोद के गठबंधन के कारण लोकसभा चुनाव में भाजपा 400 से 240 सीटों पर आ गई। जयंत चौधरी अचानक ही पूर्व मंत्री तेजपाल सिंह के आवास पर पहुंचे थे। इसके बाद आगामी विधानसभा चुनाव में छाता सीट रालोद के खाते में आने की चर्चा शुरू हो गई थी। इसको लेकर जब कैबिनेट मंत्री से बात की गई तो उन्होंने रालोद को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि रालोद की स्थापना का मुहूर्त ऐसा हुआ कि वह जिसके साथ गई, उसका सूपड़ा साफ हो गया। कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर, वीपी सिंह, नरसिम्हा राव, एचडी देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल, अटल बिहारी वाजपेयी का रालोद गठबंधन के चलते सूपड़ा साफ हो गया। मंत्री

यहीं नहीं रुके, उन्होंने प्रदेश की राजनाथ सरकार और सपा के साथ रालोद के गठबंधन के चलते उनका पत्ता साफ होने की भी बात कही। उन्होंने दावा किया जब भाजपा के साथ रालोद का गठबंधन अटल जी के समय हुआ था तो उन्होंने भाजपा के तत्कालीन सीएम राजनाथ सिंह को रालोद के पटपांव होने के प्रति आगाह किया था। गठबंधन के बाद भी मुजफ्फरनगर और कैराना जैसी सीटें भाजपा हार गई। वहीं, रालोद नेता और पूर्व मंत्री तेजपाल सिंह ने मंत्री के इस बयान पर इस्तीफे की मांग कर डाली।

ये बातें कैबिनेट मंत्री ने एक टीवी चैनल से बातचीत के दौरान कहीं। दरअसल पूरा मामला रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के कुछ दिन पूर्व मथुरा आगमन से जुड़ा हुआ है। कैबिनेट मंत्री चौ. लक्ष्मी लक्ष्मी नारायण ने कहा कि भाजपा को रालोद का वोट कभी नहीं मिलता है। लोकसभा चुनाव 2024 में मथुरा सीट पर रालोद का वोट कांग्रेस को मिला, जिससे उसका आंकड़ा बढ़ गया। उन्होंने कहा कि रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष खुद मथुरा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ चुके हैं। तब वे छाता विस क्षेत्र से 85 हजार वोट से हारे थे। उन्होंने कहा कि छाता विधानसभा सीट को लेकर रालोद नेता गलतफहमी में हैं, मथुरा में कोई भी सीट रालोद को नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि जो सीटें भाजपा ने मथुरा में बड़े अंतर से जीती हैं, उन्हें वह रालोद को क्यों देगी। उन्होंने रालोद नेता और पूर्व मंत्री तेजपाल सिंह को फ्यूज ट्रांसफार्मर बताया। कै बिनेट मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण के बयान पर रालोद ने भी पलटवार किया। सोमवार को रालोद कार्यालय पर हुई पत्रकार वार्ता में पूर्व मंत्री तेजपाल सिंह ने कहा कि कैबिनेट मंत्री रालोद के गर्भ से पैदा हुए हैं, वह उनकी जननी है। उन्होंने बिना सोचे समझे यह बयान दिया है। भाजपा को भी उन्होंने नहीं बख्शा।

निषाद समाज तय कर रहा यूपी की राजनीति का भविष्य : राजभर

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं यूपी सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा, डॉ. संजय निषाद ने ताल किनारे रहने वाले समाज को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में एकजुट कर अपनी गिनती करवाने का काम किया है, जो समाज कभी गिनती में नहीं आता था, आज वही उत्तर प्रदेश की राजनीति का भविष्य तय कर रहा है। निषाद पार्टी ने केवल 10 साल में जिस तेज़ी से विकास किया है, वह अभूतपूर्व है। अगर समाज को हक़-अधिकार नहीं मिला तो लखनऊ विधानसभा का घेराव तय है।

रैली नहीं, समाज का रेला आया है : आशीष पटेल

अपना दल (एस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं यूपी सरकार में मंत्री आशीष पटेल ने कहा, आज तालकटोरा स्टेडियम में रैली नहीं, बल्कि मछुआ समाज का रेला आया है. यही डॉ. संजय निषाद की असली ताक़त है. अब समाज डरने वाला नहीं है और यह लड़ाई रुकने वाली नहीं है. निषाद पार्टी अब अकेली नहीं है, हम सभी सहयोगी दल उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने आगे कहा कि, डॉ. निषाद इलेक्ट्रो होम्योपैथी से मीठी गोली देकर इलाज करते आए हैं, लेकिन अब उन्हें आरक्षण विरोधियों का पक्का इलाज करना होगा। आज मंच पर मौजूद आरएलडी , सुभासपा, निषाद पार्टी और अपना दल (एस) ही असली पीडीए हैं। सत्ता की चाबी अब इन्हीं दलों के पास होगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आखिर इतना हिंसक क्यों हो रहे हैं छात्र!

कुछ साल पहले अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी जैसे देशों से खबरें आती थी स्कूलीं किशोर छात्रों ने अपने साथी को गोली ये चाकू से मारकर हत्या कर दी। पर अब तो ऐसी खबरें भारत के शहरों से आने लगी हैं। मंगलवार को यूपी के गाजीपुर में एक नौवें के बच्चे ने दसवीं के बच्चे को चाकू घोंप कर मार डाला। अभी यह मामला शांत नहीं हुआ कि गुरुवार को गुजरात के अहमदाबाद में एक स्कूल में 10वीं के छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। इस तरह की घटनाओं की अचानक बाढ़ आने से समाज में चर्चा होने लगी है कि बच्चों में इस तरह की हिंसक प्रवृति क्यों बढ़ रही है। सामाजिक विश्लेषकों का मानना है कि समाज में एकल परिवारों का बढ़ना, बच्चों का एकाकी होना। सबसे ज्यादा आजकल के किशोरों में जो मोबाइल पर स्क्रीन टाइम बढ़ रहा है वह खतरनाक है। कुल मिलाकर इस समस्या के समाधान के लिए समाज, सरकार व मनोवैज्ञानिकों को आगे आना होगा। अहमदाबाद में हत्या का आरोपी एक 8वीं क्लास का बच्चा है। अब आरोपी की अपने फ्रेंड के साथ एक चैट वायरल हो रही है, जो काफी दर्दनाक है। हत्या की बात आरोपी बच्चे ने अपने दोस्त को प्राइवेट चैट पर बताई, जिसपर फ्रेंड ने कहा, मार क्यों डाला? खैर जो होना था अब हो गया, यह चैट डिलीट कर दो और कहीं छुप जाओ। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर आरोपी दोस्त ने 10वीं के छात्र की हत्या की बात कबूली है। दोस्त ने उसेस पूछा कि क्या तुमने सच में उसे मार डाला, जिसपर आरोपी ने रिप्लाई किया, हां तो चैट में उसने मरने वाले बच्चे का नाम भी लिया है। आरोपी बच्चे ने चैट में ही अपने दोस्त को बताया, अरे मेरे को बोल रहा था कि कौन है तू,क्या कर लेगा, रिप्लाई में दोस्त ने उसे गाली दी और कहा कि उसे हमला नहीं करना चाहिए था। इस चैट के करीब 6 स्क्रीनशॉट अब सामने आ रहे हैं। आरोपी का दोस्त उसे यह भी कह रहा है- जो हुआ सो हुआ। अब चैट डिलीट कर दो और अंडरग्राउंड हो जाओ। पुलिस इस वायरल चैट की सच्चाई जानने की कोशिश कर रही है। चैट में दोस्त ने पहले सवाल किया, भाई तूने आज कुछ किया है क्या? आरोपी ने हां में जवाब दिया। फिर दोस्त ने पूछा, क्या तूने किसी को चाकू मार दिया? आरोपी ने सवाल किया कि तुम्हें किसने बताया? दोस्त ने रिप्लाई में कहा कि पहले कॉल करो। कुल मिलाकर इन घटनाओं ने समाज में आ रहे किशोरों में इन बदलावों के ऊपर चर्चा करने का मौका दिया है। परिवार, समाज व व्यक्ति सबको इस पर गंभीर मंथन करने की आवश्यकता है कि आखिर किशोर खासतौर छात्र ऐसा क्यों कर रहे हैं।

“ सामाजिक विश्लेषकों का मानना है कि समाज में एकल परिवारों का बढ़ना, बच्चों का एकाकी होना। सबसे ज्यादा आजकल के किशोरों में जो मोबाइल पर स्क्रीन टाइम बढ़ रहा है वह खतरनाक है। कुल मिलाकर इस समस्या के समाधान के लिए समाज, सरकार व मनोवैज्ञानिकों को आगे आना होगा। कुल मिलाकर इन घटनाओं ने समाज में आ रहे किशोरों में इन बदलावों के ऊपर चर्चा करने का मौका दिया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ट्रंप की पाठशाला में नतमस्तक यूरोपीय नेता

पुष्परंजन

व्हाइट हाउस की वेबसाइट पर एक तस्वीर को जिसने भी देखा, जुगुप्सा से भर गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ओवल ऑफिस के सिंहासन पर विराजे हुए। उनके गिर्द यूरोप के प्रमुख नेता इस अंदाज में बैठे दिख रहे हैं, गोया पाठशाला चल रही हो। इसे सत्ता का 'शर्मनाक खेल' बताया गया, जिससे वैश्विक एकता के प्रदर्शन पर ग्रहण लग गया है। इस कवायद को अमेरिकी चौधराहट का विकृत रूप कहिये। ब्रिटिश ऑनलाइन समाचार पत्र, 'द इंडिपेंडेंट' के अनुसार, 'सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने कहा, कि ट्रंप के रेज़ोल्यूट डेस्क के सामने वाली कुर्सियों पर यूरोपीय नेताओं के बैठने की व्यवस्था देखकर ऐसा लगा जैसे अमेरिकी राष्ट्रपति 'अनियंत्रित स्कूली बच्चों' के एक समूह की मेज़बानी कर रहे हों।'

सोमवार को, ट्रंप ने पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की की मेज़बानी की, और फिर यूक्रेन संकट के समाधान के हवाले से व्हाइट हाउस में सात यूरोपीय नेताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में ट्रंप, जेलेंस्की, ब्रिटेन के सर कीर स्टारमर, फ्रांस के इमैनुएल मैक्रों, इटली की जियोर्जिया मेलोनी, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़, फिनलैंड के अलेक्जेंडर स्टब, नाटो महासचिव मार्क रूट, और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन देयर लेयेन शामिल थीं। जर्मन मीडिया के अनुसार, 'यूरोपीय नेता जेलेंस्की के चारों ओर एक सुरक्षात्मक अर्धवृत्ताकार घेरे में बैठे थे, वो यह सुनिश्चित करने के लिए उत्सुक थे कि ओवल ऑफिस में एक और अपमान न हो, और ट्रांस-अटलांटिक गठबंधन कायम रहे।' ब्रसेल्स स्थित यूरोपियन पॉलिसी सेंटर में यूरोपीय और वैश्विक मामलों के निदेशक अल्मुट मोलर ने एक ईमेल के जरिये रिएक्ट किया, 'यह एक ऐसी बैठक थी, जहां यूरोपीय लोगों को अपनी एकता और दृढ़ संकल्प दिखाने का मौका मिला। यूरोप शक्तिहीन नहीं है।' लेकिन ठीक से देखा जाये, तो इसमें यूरोप-अमेरिकी सुप्रीमेसी झलक रही थी। दुनिया को यह बताना था, कि ट्रांस-अटलांटिक मसलों को कोई एशियाई-अफ्रीकी नेता नहीं सुलझाएगा। पीएम मोदी तो जैसे अप्रासंगिक हों। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 से 23 अगस्त 2024 के बीच पोलैंड एवं यूक्रेन की यात्रा पर गए

थे। तब ट्रंप, अमेरिकी चुनाव में व्यस्त थे। लेकिन, शायद उन्होंने तय कर लिया था, कि यूक्रेन की शांतिवार्ता का श्रेय किसी एशियाई नेता को नहीं मिलना चाहिए।

वर्ष 1991 में यूक्रेन की स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से कीव की यात्रा करने वाले मोदी पहले भारतीय नेता बन गए। मोदी की कीव यात्रा ने ग्लोबल सुर्खियां बटोरी थी। शांतिदूत के रूप में मोदी की भूमिका, यूरोपीय नेताओं के गले से नीचे नहीं उतर रही थी। गुजरे सोमवार को व्हाइट हाउस ने उन प्रमुख यूरोपीय नेताओं से घिरे ट्रंप की तस्वीर पोस्ट करते हुए, इसे 'एक ऐतिहासिक दिन' बताया, और कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति 'शांति के राष्ट्रपति' हैं। यह जबरदस्ती और बेशर्मी भरा सन्देश है, कि 'पीस प्रेसिडेंट' को 'नोबेल पीस प्राइज' चाहिए। यह सारा प्रपंच उसी के वास्ते है। हालांकि, एक्स प्लेटफ़ॉर्म पर कुछ भू-राजनीतिक पर्यवेक्षकों और नेटिज़न्स ने माना कि ट्रंप की मेज के सामने बैठे यूरोपीय नेताओं की यह नई तस्वीर 'शर्मिंदगी और अपमान' के क्षण का संकेत देती है। इस तस्वीर पर टिप्पणी करते हुए, फ्रांसीसी-पोलिश भू-अर्थशास्त्री डैनियल फूबर्ट ने एक्स पर कहा कि 'यूरोपीय संघ ने यूरोप को अर्थहीन बना दिया है।' फुबर्ट ने कहा, 'यूरोपीय नेता बड़ी संख्या में वाशिंगटन पहुंचे। अपनी बात कहने के लिए बेताब। वे साझेदार के रूप में नहीं, बल्कि याचिकाकर्ता के रूप में आए थे, एक ऐसे व्यक्ति के शब्द का इंतजार कर रहे थे जिसके पास अब सारे पत्ते हैं।'

'आई मीम देयर फोर आई एम' नाम के एक अन्य नेटिजन ने एक्स पोस्ट की गई तस्वीर पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'इतिहास हमारे सामने घटित हो रहा है! यूरोपीय नेता राष्ट्रपति ट्रंप की मेज के चारों ओर बैठे हैं। यकीन नहीं हो रहा कि ये लोग इतने क्षुद्र हो सकते हैं।' एक स्तंभकार अभिषेक ने एक्स पर कहा कि 'ट्रंप भारत से नाराज क्यों हैं? क्योंकि यूरोपीय नेता असंभव स्तर का अपमान सह रहे हैं। इतालवी प्रधानमंत्री, जर्मन चांसलर, फ्रांसीसी राष्ट्रपति... सभी प्रिंसिपल के कार्यालय में बच्चों की तरह बैठे हैं... लेकिन, प्रधानमंत्री मोदी का इस तरह बैठना असंभव है।' ऐसी टिप्पणी पर कैसे तार्किक मानें? लेकिन मुश्किल पुतिन के साथ है। अलास्का में ट्रम्प से मुलाकात को पुतिन ने शेयर किया, लेकिन वो भी खुलकर नहीं कहते कि शांतिवार्ता भारत के किसी लोकेशन में हो।

पहाड़ों की संवेदनशीलता के अनुरूप हो विकास

ज्ञानेन्द्र रावत

पिछले कुछ वर्षों से हिमालयी क्षेत्र लगातार आपदाओं का सामना कर रहा है- चाहे 2013 की केदारनाथ त्रासदी हो, 2021 की ऋषिगंगा आपदा, 2023 में ल्होनक झील फटना, जोशीमठ का भूधंसाव हो या हालिया बादल फटना और भूस्खलन की घटनाएं। इन आपदाओं के पीछे जलवायु परिवर्तन, मानसून की अनिश्चितता, अरब सागर की गर्म हवाएं और दक्षिण-पश्चिमी हवाओं का उत्तर की ओर झुकाव जैसे प्राकृतिक कारण तो हैं ही, सबसे बड़ा कारण प्रकृति में अनियंत्रित मानवीय हस्तक्षेप है, जिसकी भारी कीमत हमें हर साल भीषण तबाही के रूप में चुकानी पड़ रही है।

वैज्ञानिक, पर्यावरणविद और शोध लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि पहाड़ों पर अवैज्ञानिक और अनियोजित निर्माण, विस्फोटों से जलविद्युत परियोजनाएं, रेलमार्ग, बेतरतीब खुदाई और नदी-नालों के प्राकृतिक मार्गों में हस्तक्षेप से हम आपदाओं को न्योता दे रहे हैं। दुर्भाग्य से विकास के नाम पर सरकारी लापरवाही का आलम यह है कि संवेदनशील भूस्खलन क्षेत्रों में भी बहुमंजिला इमारतों, होटलों और सड़कों का निर्माण अनियंत्रित रूप से जारी है, जो भविष्य के लिए गंभीर खतरा है। गौरतलब है कि जब धरती की सतह और पहाड़ों को बार-बार खोदा और काटा जाता है, तो बारिश की बूंदें तेजी से बहकर मिट्टी को ढीला कर देती हैं। इससे भूमि की पकड़ कमजोर पड़ती है और आपदाएं, विशेष रूप से भूस्खलन, कई गुना बढ़ जाते हैं। वैज्ञानिक चेता रहे हैं कि जलवायु में आ रहे बदलाव और पहाड़ों पर विकास के नाम पर अंधाधुंध निर्माण विनाश का कारण बन रहा है। आईपीसीसी की रिपोर्ट के अनुसार ऊंचे इलाकों में एक डिग्री तापमान बढ़ने पर वर्षा की तीव्रता 15 फीसदी बढ़ जाती है। जब गर्म समुद्री हवा भारी नमी लेकर हिमालय से टकराती है तब पहाड़ उसे रोकते हैं। इससे क्यूम्यलोनिम्बस बादल बनते हैं जो 50,000 फीट ऊंचाई तक जा सकते हैं और जब ये फटते हैं तो भीषण तबाही लाते हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और डीआरडीओ के अनुसार, हिमालयी ग्लेशियर हर वर्ष औसतन 15 मीटर तक पीछे हट रहे हैं। कुछ क्षेत्रों में यह दर 20 मीटर से अधिक है। गंगा बेसिन में ग्लेशियर 15.5 मीटर, इंडस बेसिन में 12.7 मीटर और ब्रह्मपुत्र बेसिन में 20.2 मीटर प्रति वर्ष की गति से पीछे खिसक रहे हैं।

दरअसल, जब ग्लेशियर पिघलते हैं, उसके नीचे की जमीन अस्थिर होती जाती है। पिघलती बर्फ, दरकती चट्टानें और अचानक बनने वाली झीलें सबसे बड़ी चिंता का विषय हैं। रिपोर्ट की मानें तो साल 2018 तक कराकोरम और हिन्दूकुश जैसे इलाकों में 127 बड़े ग्लेशियर संबंधित भूस्खलन रिकॉर्ड हुए हैं। हिमालयी क्षेत्र उत्तराखंड, हिमाचल, सिक्किम सहित कुल 13 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में फैला है। मानसून के दौरान यह क्षेत्र प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यंत संवेदनशील रहता है। इसकी जटिल भौगोलिक बनावट, नाजुक पारिस्थितिकी और बदलती जलवायु स्थितियां इसे और अधिक जोखिमग्रस्त बनाती हैं।

यह आपदाएं आबादी क्षेत्र, बुनियादी ढांचे और जैव विविधता के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करती हैं। चूंकि इस क्षेत्र में अधिकांश नदियां संकरी घाटियों से होकर बहती हैं, इसलिए बादल फटने या ग्लेशियर झील के फटने के कारण तेज बहाव के साथ बड़ी मात्रा में बोल्डर सहित मलबा भी बह जाता है। परिणामस्वरूप नदियों के रास्ते अवरुद्ध हो जाते हैं और निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन और पर्वतीय इलाकों में जारी विकास परियोजनाओं से प्राकृतिक आपदाओं का खतरा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। वर्ष 2021 में उत्तराखंड में पानी के तेज बहाव के कारण धौलीगंगा नदी में एक हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पर काम कर रहे कर्मचारियों पर चट्टानें और मलबा आ गिरा, जिससे 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। गौरतलब है कि हिमालयी इलाके में बरसों से जारी खनन से नदी तल का क्षरण हो रहा है। इसके चलते नदियां सूख रही हैं, नतीजतन बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ रहा है। यही नहीं खनन से निकलने वाले रसायन मिट्टी और पानी को प्रदूषित करते हैं। खनन से वन्य जीवों के आवास खत्म हो रहे हैं, जिससे जैव विविधता को काफी नुकसान हो रहा है। खनन से जहां लोग अपने घरों से विस्थापित हो रहे हैं, वहीं स्थानीय लोगों की आजीविका, कृषि और पर्यटन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है तथा पर्यावरण और सामाजिक-आर्थिक दोनों तरह के खतरे पैदा हो रहे हैं। ध्यान रखना होगा कि हिमालय दुनिया की सबसे युवा पर्वत शृंखला है। भूगर्भीय दृष्टिकोण से यह अभी भी अधपका है और निरंतर बदलाव के दौर से गुजर रहा है। यह जानते-समझते हुए भी हम वहां बेतहाशा कंक्रीट का निर्माण कर रहे हैं, जिसमें नदियों के जलग्राही क्षेत्रों को भी नहीं छोड़ा गया है। जब हम वहां जाकर बसेंगे तो भूस्खलन, बाढ़, हिमस्खलन, भूकंप और बादल फटने जैसी प्राकृतिक घटनाएं तो आएंगी ही।

प्रकृति की संवेदनशीलता के प्रति हमें अत्यंत सतर्क और संवेदनशील होना होगा। यदि हम प्रकृति से खिलवाड़ करेंगे, तो निश्चित है कि ऐसी आपदाओं का सामना लगातार करना पड़ेगा। हिमालयी पर्वतीय क्षेत्र में भौगोलिक और पर्यावरणीय दृष्टि से पूर्वसूचना प्रणाली पर तत्काल कार्य करना आवश्यक है। यहां प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाना चाहिए, यह समझते हुए कि पर्वतीय इलाकों में मैदानी इलाकों की तरह काम नहीं किया जा सकता। इसके लिए एक अलग दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। ध्यान रखना होगा कि यदि हम प्रकृति की राह में बाधा डालेंगे, तो उसका खमियाजा हमें ही भुगतना होगा।

प्रकृति के बीच रहने का एहसास दिलाएंगे ये ट्री हाउस

हर कोई छुट्टियों को यादगार बनाना चाहता है। वेकेशन में आप किस तरह के होटल में स्टे कर रहे हैं, इस पर गौर करना बेहद जरूरी है। अच्छा होटल हमेशा स्टे को कम्फर्टेबल और यादगार बना देता है। अगर इस बार आप किसी इकोफ्रेंडली होटल की तलाश कर रहे हैं तो ट्री हाउस को चुनें। इसमें रहने का मजा अलग ही है। नेचर लवर्स के लिए यह स्टे किसी जन्नत से कम नहीं होगा। भारत में कई ऐसे अद्भुत ट्री हाउस हैं, जो आपको जंगलों की गोदी में एक शानदार अनुभव देंगे। इन ट्री हाउस में रहने से न केवल आपको आराम मिलता है, बल्कि आप खुद को प्रकृति के बेहद करीब महसूस कर सकते हैं। भारत में कुछ ऐसे अनोखे ट्री हाउस हैं जो एडवेंचर के लिए परफेक्ट हो सकते हैं।

उत्तराखंड

उत्तराखंड के अद्भुत जंगल के बीच ट्री हाउस का लुत्फ उठाने के लिए मसूरी की यात्रा करें। यहां वाइल्डबेरीज रिसॉर्ट में आपको ठहरने के लिए ट्री हाउस मिल जाएंगे जहां से पहाड़ों और जंगलों के अद्भुत दृश्य का आनंद मिलता है। यह जगह हर प्रकृति प्रेमी के लिए परफेक्ट है। रिजॉर्ट के ट्री हाउस में रहकर आप पक्षियों की चहचहाहट और ताजगी से भरी हवा का अनुभव कर सकते हैं।

कर्नाटक

कर्नाटक के नीलगिरि पहाड़ियों में ट्री हाउस बने हुए हैं। यहां आप जंगल के बीच में बैठे-बैठे शानदार दृश्य देख सकते हैं। यह एक आदर्श स्थान है अगर आप जंगलों में रहने का अनुभव चाहते हैं और साथ ही प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद भी लेना चाहते हैं।

महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के महाबलेश्वर में भी आपको कई ट्री हाउस के विकल्प मिल सकते हैं। यहां के ट्री हाउस एक शानदार अनुभव प्रदान करते हैं। यहां ट्री हाउस समुद्र तल से 45 फीट की ऊंचाई पर स्थित हैं, जो आपको बेमिसाल दृश्य और शांति प्रदान करते हैं। यहां आप एक सुकून भरे समय का आनंद ले सकते हैं।

केरल

केरल राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है, जहां खूबसूरत जंगल और हरियाली के साथ ही वातावरण शांति से भरपूर है। केरल में ही कई जंगलों में आपको ट्री हाउस में रहने की सुविधा मिल सकती है। यहां के ट्री हाउस आरामदायक और प्रकृति के बीच रहने का अद्भुत अनुभव देते हैं। वाय थ्री नाम के रिजॉर्ट में ट्री हाउस की सुविधा मिल सकती है।

हंसना मना है

टीचर गोलू से- पांच में से पांच घटाने पर कितने बचेंगे? गोलू- पता नहीं मैडम। टीचर- अगर तेरे पास 5 भटुरे हैं, और 5 भटुरे तुझसे मैं ले लूं तो तेरे पास क्या बचेगा? गोलू- ..छोले।

टीचर- होमवर्क क्यों नहीं किया.. स्टूडेंट - सर, लाइट नहीं थी, टीचर- तो मोमबत्ती जला लेते, स्टूडेंट- सर, माचिस नहीं थी, टीचर -क्यों नहीं थी? स्टूडेंट- पूजा घर में राखी हुई थी, टीचर- तो वहां से ले आते, स्टूडेंट- नहाया हुआ नहीं था, टीचर - क्यों, स्टूडेंट- पानी नहीं था सर, टीचर- क्यों, स्टूडेंट- सर मोटर नहीं चल रही थी, टीचर- क्यों, स्टूडेंट- बताया तो था लाइट नहीं थी!

टीचर- 1 से 10 तक गिनती सुनाओ। संता ..1, 2, 3, 4, 5, 7, 8, 9, 10.. टीचर- 6 कहां है? संता-जी वो तो मर गया। टीचर -मर गया? कैसे? संता-जी मैडम, आज सुबह टीवी पर न्यूज में बता रहे थे कि स्वाईन फलू में 6 की मौत हो गई!

पड़ोस की औरतें आपस में बात कर रही थीं.. बहन बाकी तो सब ठीक है लेकिन अगर हम चांद पर बस जाएंगे तो करवाचौथ कैसे मनाएंगे!

कहानी | सच्चे देशभक्त की निष्ठा

94 साल के एक बूढ़े व्यक्ति को मालिक ने किराया न देने पर मकान से निकाल दिया। बूढ़े के पास एक पुराना बिस्तर, कुछ एल्युमीनियम के बर्तन, एक प्लास्टिक की बाल्टी और एक मग आदि के अलावा शायद ही कोई सामान था। बूढ़े ने मालिक से किराया देने के लिए कुछ समय देने का अनुरोध किया। पड़ोसियों को भी बूढ़े आदमी पर दया आयी और उन्होंने मालिक को किराए का भुगतान करने के लिए कुछ समय देने के लिए मना लिया। मालिक ने अनिच्छा से ही उसे किराया देने के लिए कुछ समय दिया। रास्ते से गुजर रहे एक पत्रकार ने रुक कर यह सारा नजारा देखा। उसने मामले को समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए शीर्षक क्रूर मकान मालिक रखा, फिर उसने बूढ़े की और घर की कुछ तस्वीरें भी ले लीं। प्रेस के मालिक ने तस्वीरों को देखा और हैरान रह गए। उन्होंने पत्रकार से पूछा, कि क्या वह उस बूढ़े आदमी को जानता है? पत्रकार ने कहा, नहीं। अगले दिन अखबार के पहले पन्ने पर बड़ी खबर छपी। शीर्षक था, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री गुलजारीलाल नंदा एक दयनीय जीवन जी रहे हैं। खबर में आगे लिखा था कि कैसे पूर्व प्रधानमंत्री किराया नहीं दे पा रहे थे और कैसे उन्हें घर से बाहर निकाल दिया गया था। टिप्पणी की थी कि आजकल फ्रेशर भी खूब पैसा कमा लेते हैं। जबकि एक व्यक्ति जो दो बार पूर्व प्रधानमंत्री रह चुका है और लंबे समय तक केंद्रीय मंत्री भी रहा है, उसके पास अपना खुद का घर भी नहीं। दरअसल गुलजारी लाल नंदा को स्वतंत्रता सेनानी होने के कारण रु. 500 प्रति माह भत्ता मिलता था। लेकिन उन्होंने यह कहते हुए इस पैसे को अस्वीकार किया था कि उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों के भत्ते के लिए लड़ाई नहीं लड़ी। बाद में दोस्तों ने उसे यह स्वीकार करने के लिए विवश कर दिया, यह कहते हुए कि उनके पास आय का अन्य कोई स्रोत नहीं है। इसी पैसों से वह अपना किराया देकर गुजारा करते थे। अगले दिन वर्तमान प्रधानमंत्री ने मंत्रियों और अधिकारियों को वाहनों के बेड़े के साथ उनके घर भेजा। इतने वीआइपी वाहनों के बेड़े को देखकर मकान मालिक दंग रह गया। तब जाकर उसे पता चला कि उसके किराएदार, श्री गुलजारी लाल नंदा भारत के पूर्व प्रधानमंत्री थे। मकान मालिक अपने दुर्व्यवहार के लिए तुरंत गुलजारी लाल नंदा के चरणों पर झुक गया। अधिकारियों और वीआईपीयों ने गुलजारी लाल नंदा से सरकारी आवास और अन्य सुविधाएं को स्वीकार करने का अनुरोध किया। श्री गुलजारी ने इस बुढ़ापे में ऐसी सुविधाओं का क्या काम और अंतिम श्वास तक वे एक सामान्य नागरिक की तरह, सच्चे देशभक्त ही नहीं सच्चे नागरिक बन कर ही रहते रहे थे। 1997 में सरकार ने उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

वृषभ चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

मिथुन विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

कर्क डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा।

सिंह योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कन्या कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी।

तुला बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी।

वृश्चिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

धनु स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मकर रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी।

कुम्भ विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दु:खद समाचार मिल सकता है। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें।

मीन मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

द बंगाल फाइल्स देखकर हर कोई खुश होगा : विवेक

विवेक अग्निहोत्री ने बीते दिनों कोलकाला में अपनी आगामी फिल्म द बंगाल फाइल्स का ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम आयोजिक किया, जिसमें खूब हंगामा हुआ। फिल्म विवादों में घिरी है और निर्देशक के खिलाफ कई एफआईआर दर्ज हुई हैं। साल 1946 में हुए दंगों को रोकने वाले लोकप्रिय बंगाली योद्धा गोपाल मुखर्जी के पोते शांतनु मुखर्जी ने भी विवेक अग्निहोत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। शांतनु ने निर्देशक पर आरोप लगाया है कि फिल्म में उनके दादा की छवि खराब की गई है। विवेक ने कहा, भारत में अभी तक किसी ने भी फिल्म नहीं देखी है। बिना फिल्म देखे ही अनुमान लगाए जा रहे हैं। फिल्म निर्माता ने आगे बताया कि उन्होंने मुखर्जी के पोते से फोन पर बात की थी, लेकिन चूंकि मामला अब कानूनी मोड़ ले चुका है, इसलिए वह कानूनी रूप से जवाब देंगे। विवेक अग्निहोत्री ने कहा, किसी को नहीं पता कि फिल्म में क्या दिखाया गया है? लोग अंदाजा लगा रहे हैं। ऐसा नहीं है। मैंने उनके पोते से फोन पर बात की है। मैं इसमें नहीं पड़ना चाहता। उन्होंने कानूनी रास्ता अपनाया है, इसलिए हम भी कानूनी तौर पर जवाब देंगे। विवेक अग्निहोत्री ने आगे कहा कि उनके विचार से गोपाल मुखर्जी एक हीरो थे। विवेक अग्निहोत्री ने कहा कि इस फिल्म से पहले भारत में बहुत कम लोग मुखर्जी के बारे में जानते थे, लेकिन यह फिल्म यह सुनिश्चित करेगी कि भारत का हर बच्चा उन्हें एक वीर योद्धा के रूप में पहचाने। निर्देशक ने कहा, मैं बस इतना कह सकता हूं कि मैं गोपाल मुखर्जी को हीरो मानता हूं। बंगाली हिंदुओं के मन में, गोपाल मुखर्जी एक हीरो हैं और मैंने उन्हें एक हीरो के रूप में ही फिल्म में दिखाया है। इसके बाद उनकी लोकप्रियता में और इजाफा होगा। उन्होंने आगे कहा, अगर इस फिल्म ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया तो लोग उनके बारे में जानेंगे। मैं गारंटी देता हूं कि फिल्म रिलीज होने के बाद भारत का हर बच्चा उन्हें हीरो मानेगा। इसलिए, हर कोई फिल्म देखकर खुश होगा। विवेक अग्निहोत्री ने बंगाल के माहौल पर भी टिप्पणी करते हुए कहा, देखो यार, ये सब टीएमसी वगैरा के साथ काम करते हैं और बंगाल में वही बोलना पड़ता है, जो बुलवाया जाता है।

धनश्री के पॉडकास्ट पर चहल बोले-

बयां करने के लिए शब्द नहीं

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी एक्स वाइफ धनश्री वर्मा का रिश्ता लंबे समय तक सुर्खियों में रहा। इस साल मार्च में दोनों का तलाक हो चुका है, लेकिन इसके बाद भी सोशल मीडिया पर अक्सर इनके निजी जीवन से जुड़ी बातें चर्चा में रहती हैं। हाल ही में धनश्री वर्मा ने एक पॉडकास्ट में अपने डिवोर्स पर खुलकर बात की। इसके बाद युजवेंद्र चहल ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया, जिसने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। युजवेंद्र चहल ने इंस्टाग्राम पर अपनी तीन तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में वो कभी नदी किनारे बैठे नजर आ रहे हैं तो कभी पहाड़ों की खूबसूरत वादियों में। तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा— मिलियन फीलिंग्स, जीरो वर्ड्स यानी लाखों भावनाएं हैं लेकिन उन्हें व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं। यह कैप्शन देखकर लोगों को ऐसा लगा कि पोस्ट सीधे तौर पर धनश्री वर्मा के हालिया बयान से जुड़ा हुआ है। धनश्री वर्मा हाल ही में ह्यूमंस ऑफ बॉम्बे के पॉडकास्ट में पहुंचीं, जहां उन्होंने अपने डिवोर्स के दौरान झेली मुश्किलों के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि शादी टूटने के समय वे काफी परेशान थीं और उस दौर में चहल की एक टी-शर्ट ने उन्हें और भी आहत किया। दरअसल, चहल तलाक के दिन 'बी योर ओन शुगर डैडी' लिखी हुई काली टी-शर्ट पहनकर आए थे। इस पर धनश्री ने कहा कि उस पल उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर इतना ही कहना था तो वे व्हाट्सएप पर लिख देते। धनश्री की इस बातचीत के कुछ ही दिनों बाद चहल का नया पोस्ट सामने आया। उनका यह कैप्शन पढ़कर लोग इसे उनके तलाक से जोड़ने लगे। कई यूजर्स ने उनके पोस्ट पर कमेंट किया। एक यूजर ने लिखा- याद आ रही है चहल को। तलब तलब। इसके अलावा एक दूसरे यूजर ने लिखा- धनश्री का पॉडकास्ट देखकर आए हैं। धनश्री वर्मा और युजवेंद्र चहल की शादी मार्च 2020 में हुई थी। दोनों की जोड़ी सोशल मीडिया पर बेहद लोकप्रिय रही। अक्सर दोनों के डांस वीडियो और प्यारे पलों की तस्वीरें वायरल होती थीं। लेकिन शादीशुदा जिंदगी में सबकुछ ठीक नहीं चला और मार्च 2024 में दोनों ने अलग होने का फैसला लिया। अब तलाक के बाद दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं।

अब सिर्फ चुनिंदा प्रोजेक्ट्स करना चाहती हूं

समंथा रुथ प्रभु की गिनती साउथ इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस में होती है। अब वो सिर्फ एक्ट्रेस नहीं बल्कि एक प्रोड्यूसर भी बन गई हैं और अपनी इस नई भूमिका को काफी एंजॉय भी कर रही हैं। हालांकि, उनका कहना है कि काम के बोझ को कम करने के लिए अब वो सिर्फ प्रोजेक्ट्स पर काम करेंगी, जो उन्हें दिल से पसंद होंगे। समंथा ने कहा कि अब वो क्वालिटी वर्क पर ध्यान देंगी और इसके लिए वो सिर्फ अच्छे प्रोजेक्ट्स पर काम कर करेंगी। इससे उनका वर्क लोड भी मैनेज रहेगा। एक्ट्रेस ने कहा, मैं उस मुकाम पर पहुंच गई हूं जहां मैं वो काम करती हूं जिनके लिए मैं पैशनेट हूं। इसमें फिटनेस और फिल्में दोनों शामिल हैं। मैं कई फिल्मों और सीरीज का हिस्सा रही हूं, लेकिन वो सभी ऐसे प्रोजेक्ट नहीं थे, जिनको लेकर मैं काफी उत्साहित हूं या जिनको लेकर मैं पैशनेट हूं। लेकिन अब मैं जो भी काम करती हूं, जिस भी बिजनेस में इन्वेस्ट करती हूं, जिस भी फिल्म का निर्माण करती हूं, सबमें मेरा दिल बसता है। अभिनेत्री का कहना है कि अब वो एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम नहीं करती हैं। बल्कि अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखती है और अपनी मानसिक और शारीरिक सेहत को प्राथमिकता देती हैं। उन्होंने कहा कि मैं अब एक साथ पांच फिल्में नहीं शूट करती। एक बात मुझे समझ आ गई है कि मुझे अपने शरीर की सुननी चाहिए, इसलिए मैंने काम कम कर दिया है। लेकिन अब मैं जो भी करती हूं और जिसमें अपनी एनर्जी वेस्ट हूं, वह बहुत मायने रखता है। कोई भी काम बेवजह नहीं होता। प्रोजेक्ट्स की संख्या भले ही कम हो गई हो, लेकिन उनकी वो काम बेहतर है। वर्कफ्रंट की बात की जाए तो सामंथा ने हाल ही में बतौर प्रोड्यूसर अपनी पहली तेलुगु फिल्म 'शुभम' में एक छोटी सी भूमिका निभाई थी।

सामंथा बोलीं- मैं अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दे रही हूं

पति ने पत्नी की इच्छा पूरी करने के लिए बेडरूम की छत पर बनाया स्विमिंग पूल

सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे इस वीडियो में आप देखेंगे कि बेडरूम की छत पर बने स्विमिंग पूल को कुछ इस तरह से डिजाइन किया गया है कि निचला हिस्सा पारदर्शी है। यानी जब कोई शख्स बेडरूम में होगा, तो वह पूल में तैरते हुए लोगों को भी देख पाएगा। एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की एक ऐसी अनोखी ख्वाहिश पूरी की, जिसके बारे में शायद ही कोई सोच सकता है। दरअसल, महिला चाहती थी कि उसके बेडरूम की छत पर कांच का स्विमिंग पूल हो और पति ने यह करके भी दिखा दिया। इसका वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर खूब तहलका मचा रहा है। कांच का पूल देखकर नेटिजन्स की आंखें फटी की फटी रह गई हैं। वायरल हो रहे वीडियो में आप देखेंगे कि स्विमिंग पूल को कुछ इस तरह से डिजाइन किया गया है कि निचला हिस्सा पारदर्शी है। यानी जब कोई शख्स बेडरूम में होगा, तो वह पूल में तैरते हुए लोगों को भी देख पाएगा। यह अनोखा डिजाइन घर को और भी मॉडर्न लुक दे रहा है। वीडियो में शख्स की पत्नी को कांच के पूल में तैरते हुए भी दिखाया गया है। इंस्टाग्राम हैंडल से शेयर हुए इस वीडियो को अब तक लगभग 5 लाख लोग लाइक कर चुके हैं। हालांकि, पोस्ट पर नेटिजन्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कुछ पूल का डिजाइन देखकर हक्के-बक्के रह गए, तो कई नेटिजन्स ने इस पर चुटकी भी ली। एक यूजर ने कमेंट किया, प्यार में इतना भी पगलाना नहीं चाहिए। दूसरे ने कहा, मैं तो यह सोचकर घबराया हुआ हूं कि अगर भूकंप आया तो बेडरूम में सोने वालों का क्या होगा। एक अन्य यूजर ने लिखा, कांच टूटा नहीं कि फाइनल डेस्टिनेशन मूवी जैसा सीन हो जाएगा भाई।

अजब-गजब | 'राक्षसी गुड़िया' की बढ़ी ऐसी मांग

दो लड़के चुरा ले गए 25 लाख की लाबुबू डॉल

लाबुबू भले ही एक छोटा-सा खिलौना है लेकिन इसका क्रेज दुनियाभर में देखने को मिल रहा है। अगर आप सोशल मीडिया पर नजर घुमाएंगे तो आपको समझ आएगा कि हर एक्टर-एक्ट्रेस इसका जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं और चोरों ने भी इन सबको देखकर कमाई के लिए नब्ज पकड़ ली है और अब इन्होंने इसे ही चुराना शुरू कर दिया। इसका ताजा उदाहरण दक्षिणी कैलिफोर्निया के चीनो शहर से सामने आया है। यहां एक गोदाम से करीब 25 लाख रुपये (30,000 डॉलर) की कीमत की लाबुबू डॉल्स की चोरी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। सिटी ऑफ चीनो पुलिस डिपार्टमेंट के अनुसार, इन तेज दांतों वाली गुड़ियों को एक वेयरहाउस से कई दिनों में अलग-अलग मौकों पर चोरी किया गया। चोर बार-बार लौटकर माल उठाते रहे। जांच के दौरान पुलिस को अपलैंड स्थित एक घर से चौदह बॉक्स लाबुबू डॉल्स मिले। वहां ऐसे सबूत भी हाथ लगे जिनसे पता चलता है कि चुराई गई गुड़ियों को देशभर में दोबारा बेचने और भेजने की तैयारी चल रही थी। चीनो पुलिस ने इस मामले में दो नाबालिग लड़कों को पकड़ा है, जो गोदाम में कर्मचारी थे। इनको पकड़ने के लिए पुलिस ने जब इन पर शिकंजा कसा तो उनमें एक ने वहां से भागने की कोशिश की, लेकिन मौके पर धरा गया और उसने वहां सरेंडर कर दिया। वहीं दूसरे लड़के को मंगलवार को पास के एक शहर से धर लिया गया। दोनों को सैन बर्नार्डिनो काउंटी जुवेनाइल हॉल में चोरी और साजिश रचने के आरोप में रखा गया है। फिलहाल बरामद की गई सारी गुड़ियों को उनके मालिकों को लौटा दिया गया है। चीनो पुलिस ने अपनी पोस्ट में लिखा कि हमारी टीम ने शानदार काम किया और चोरी का सामान वापस दिलवाया। ये खबर दुनियाभर में लाबुबू डॉल्स की बढ़ती मांग और उनकी दीवानगी को फिर से सुर्खियों में ले आई है। दुकान की मालकिन जोआना अवेंदानो ने बताया कि उन्हें चोरी से कुछ देर पहले ही बेचैनी महसूस हो रही थी। उन्होंने मोबाइल से कैमरे का लाइव फुटेज देखा और हैरान रह गई।

सरकार का नया कानून अभी अधूरा है : सिसोदिया

बोले- निर्दोष पाए जाने पर अधिकारी हों दंडित

» 30 दिन में पद छोड़ने वाले बिल पर आप नेता ने कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने केंद्र सरकार की ओर से लाए जा रहे मुख्यमंत्री या मंत्री को भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार होने पर उनके 30 दिन तक जेल में रहने पर पद छोड़ने के कानून को अधूरा करार दिया है। उन्होंने कहा कि इसका दुरुपयोग ईडी-सीबीआई की तरह हो सकता है। उन्होंने कहा, अगर किसी नेता या मंत्री को झूठे मामले में जेल भेजा जाता है और बाद में वह बरी हो जाता है तो उस झूठे केस में गिरफ्तार कराने वाले अधिकारी, एजेंसी और सरकार के मुखिया को भी उतने ही साल के लिए जेल भेजा जाए, जितने साल की सजा उस आरोप में थी।

सिसोदिया ने कहा कि भ्रष्ट नेताओं को भ्रष्टाचार करने पर कुर्सी जाने का डर होना चाहिए, लेकिन अगर किसी निर्दोष को जेल भेजा जाता है और वह बाद में बेगुनाह साबित होता है तो इसका सीधा मतलब है कि आरोप झूठे थे। साजिश के तहत लगाए गए थे। उन्होंने सवाल उठाया कि यह कानून सिर्फ नेताओं तक ही क्यों सीमित रहे? देश की जेलों में हजारों-लाखों आम नागरिक झूठे मामलों के कारण वर्षों से बंद हैं और बाद में बरी होते हैं। अदालतें एजेंसियों को फटकार लगाती हैं, लेकिन झूठे आरोप लगाने वाले अफसरों और नेताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। सिसोदिया ने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता के पास ताकत होना जरूरी है, लेकिन अगर इस ताकत का दुरुपयोग करने वालों को सजा नहीं मिलेगी तो यह निरंकुश ताकत उन्हें रावण बना देगी।

दिल्ली को कूड़ा मुक्त बनाने में भाजपा विफल: नारंग

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली को कूड़ा मुक्त बनाने में विफल रहने के लिए भाजपा पर तीखा हमला बोला है। एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि भाजपा की चार इंजन की सरकार होने के बावजूद एमसीडी के पास सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए धन नहीं है। स्थायी समिति की बैठक में आयुक्त ने बताया कि एमसीडी कंसेशनर को 90 करोड़ के बजाय सिर्फ 70 करोड़ ही दे पा रहा है। नारंग ने आरोप लगाया कि दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान महज फोटो खिंचवाने तक सीमित है।

केंद्र की घटिया राजनीति से बढ़े अपराध : भारद्वाज

आप नेता सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि भाजपा की केंद्र सरकार की इसी घटिया राजनीति के चलते दिल्ली में अपराध लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि उनकी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल पर भी कई हमले हुए, लेकिन कभी हत्या की कोशिश का मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। इस मौके पर आप विधायक संजीव झा ने कहा कि पार्षद चौधरी थाने में लगातार चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन न थाना प्रभारी मिल रहा है न ही डीसीपी सुन रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने भाजपा और दिल्ली पुलिस पर दोहरे रवैये का आरोप लगाया है। सौरभ भारद्वाज ने कहा, सीएम रेखा गुप्ता पर हुए हमले में पुलिस ने तत्काल हत्या की कोशिश का केस दर्ज कर हमलावर को गिरफ्तार कर लिया। बुराड़ी से आप पार्षद गगन चौधरी पर हुई मारपीट के चार दिन बाद भी एफआईआर तक दर्ज नहीं हुई। गगन चौधरी के साथ सिविल लाइंस जोन की चेयरमैन ऑफिस में तड़ीपार ने मारपीट की, जिसका पूरा मामला सीसीटीवी कैमरे में कैद है।

मंत्री पुत्र के लिए प्रोटोकॉल लेटर से मचा बवाल

» जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह के पुत्र के लिए जिलाधिकारी को भेजा गया पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में में इन दिनों वीआईपी प्रोटोकॉल के नाम पर मनमानी चल रही है। मंत्री व विधायत तो ठीक है अब बिना पद के नेताओं के बेटे भी अपनी शान बढ़वाने में किसी पीछे नहीं हैं। ये मामला किसी छोटे नेता से नहीं यूपी के बड़े मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जुड़ा है। मामला जालौन के उरई से सामने आया है। अब सवाल ये उठ रहा है कि वो सरकार जो वीआईपी कल्चर के खिलाफ थी और उसी सरकार के वो मंत्री जो सबसे ज्यादा इस आवाज को बुलंद करते थे अब उनके बेटे को लेकर ये बात सवाल पैदा कर रही है।

विपक्ष ने भी इस पर मंत्री को घेरा

वहीं विपक्ष ने भी इस पर मंत्री को घेर लिया है। जहां पर जलशक्ति मंत्री के सुपुत्र बिना किसी पद के सरकारी प्रोटोकॉल का लाभ ले रहे हैं। लेटर वायरल हुआ है और अब इस पर चर्चा शुरू हो गई है। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह के सुपुत्र अभिषेक सिंह को बीती 15 अगस्त के दिन शहर के टाउन हॉल से लेकर जिला परिषद तक निकाली जा रही तिरंगा यात्रा में शामिल होना था। इसे लेकर मंत्री के निजी सचिव ने डीएम और एसपी को व्यवस्था करने के लिए पत्र जारी कर दिया और लिखा कि व्यवस्था की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जाए। भेजे गए पत्र में लिखा गया- मंत्री, जल शक्ति विभाग, उप्र के सुपुत्र अभिषेक सिंह 15.08.2025 को निम्नानुसार कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। उक्त कार्यक्रम में आने-जाने एवं प्रतिभाग किये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करने का कष्ट करें।

मेरठ के सामने ढेर हो गए गोरखपुर के लायंस

» यूपी टी-20 लीग : रिंकू ने शतक जड़कर जीत में निभाई अहम भूमिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी टी-20 लीग में खेले गए 9वें मैच में मेरठ मावेरिक्स ने गौर गोरखपुर लायंस को 6 विकेट से मात दी। रिंकू ने जीत में अहम भूमिका निभाई और अपने तूफानी शतक के चलते गोरखपुर से मैच छीन लिया। इस जीत के साथ ही मेरठ की टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए मैच में 168 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए मेरठ की टीम एक समय मुश्किल में थी।

8वें ओवर में 38 रनों पर 4 विकेट गिरने के बाद, ऐसा लग रहा था कि मेरठ की टीम ये मैच हार जाएगी लेकिन कप्तान रिंकू सिंह ने साहब युवराज (22 गेंदों पर 22* रन) के साथ मिलकर ना सिर्फ अपनी टीम को मैच में वापस ला खड़ा किया बल्कि एक शानदार शतक जड़कर मेरठ को करिश्माई जीत भी दिला दी। रिंकू सिंह के अब तक के टी-20 करियर को देखें तो, पिछले साल बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 सीरीज़ तक, रिंकू के आंकड़े कमाल के थे। 19 पारियों में 59.87 की औसत और 175.45 के शानदार स्ट्राइक रेट से उन्होंने 479 रन बनाए थे, जिसमें उनके नाम तीन अर्धशतक भी शामिल थे। उसके बाद से, रिंकू अपनी लय वापस पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और उनकी ये गिरावट साफ़ दिखाई दे रही है। साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पिछली दो द्विपक्षीय टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में, उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा। सात मैचों में, बाएं हाथ के इस बल्लेबाज़ ने 13.40 की मामूली औसत से सिर्फ़ 67 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट गिरकर 101.51 रह गया। साउथ अफ्रीका दौरा ख़ास तौर पर निराशाजनक रहा, जहां रिंकू 9.33 की औसत से सिर्फ़ 28 रन ही बना पाए और उनका स्ट्राइक रेट 82.35 का बेहद खराब रहा।

रिंकू ने 48 गेंदों पर बनाए नाबाद 108 रन

रिंकू 19वें ओवर में 48 गेंदों पर 108 रन बनाकर नाबाद रहे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपनी पारी में 7 चौके और 8 छक्के लगाए। इन 8 छक्कों में से 5 छक्के उनकी आखिरी छह गेंदों पर आए, जहां उन्होंने क्रमशः 18वें और 19वें ओवर में अब्दुल रहमान और वासु वत्स के खिलाफ लगाए। ये रिंकू सिंह का अपने करियर का पहला टी-20 शतक भी था और शायद ये सही समय पर आया क्योंकि रिंकू का सेलेक्शन एशिया कप 2025 के लिए हुआ है और अगर उन्होंने अपना यही प्रदर्शन जारी रखा तो उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर रखना काफी मुश्किल होगा।

सफाई व्यवस्था पर लापरवाही पड़ी भारी

» पुराने लखनऊ में कार्रवाई एलएसए कंपनी पर 1 लाख रुपये का जुर्माना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर आयुक्त के आदेश पर अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव ने मंगलवार दोपहर 2 बजे जोन-6 के जोनल अधिकारी मनोज यादव के साथ चौक क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कश्मीरी मोहल्ला, आचार्य नरेन्द्र देव मार्ग सहित कई स्थलों का जायजा लिया गया। इस दौरान अकबरी गेट के पास बने कूड़ा अड्डे पर निर्मित शेड में अव्यवस्था पाई गई। यहां तत्काल पीसीटीएस लगाकर कूड़ा उठाने की समुचित कार्रवाई के निर्देश एलएसए कंपनी के प्रोजेक्ट हेड को दिए गए। अपर नगर आयुक्त ने इसके बाद चौपटिया, गिरधारा और तोप दरवाजा स्थित कूड़ा अड्डों का भी भ्रमण किया।

तोप दरवाजा अड्डे पर 2 बजे तक सेकेंड्री कूड़ा उठान नहीं किया गया था। मौके पर मौजूद सफाई एवं खाद्य निरीक्षक सहित अन्य अधिकारियों ने भी बताया कि मोहल्लों से कूड़ा उठान में एलएसए कंपनी लगातार लापरवाही कर रही है। निरीक्षण के दौरान अव्यवस्था और कंपनी की घोर लापरवाही सामने आने पर अपर नगर आयुक्त ने एलएसए कंपनी पर 1 लाख का जुर्माना लगाया। साथ ही पर्यावरण अभियंता को निर्देश दिया गया कि कंपनी के अग्रिम भुगतान से जुर्माने की राशि काटकर ही बिल आगे भेजा जाए।बार-बार की लापरवाही से साफ है कि निजी कंपनियां शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने की बजाय गंदगी की समस्या को और बढ़ा रही हैं। ऐसे में नगर निगम की सख्ती के बावजूद शहर की स्वच्छता व्यवस्था पर सवाल बने हुए हैं।

प्राथमिक और सेकेंड्री कूड़ा अलग-अलग करें

इसके अतिरिक्त, पर्यावरण अभियंता को यह भी आदेश दिए गए कि समय-समय पर सेकेंड्री कूड़ा उठान और पीसीटीएस के निर्माण एवं संचालन की नियमित निगरानी करते रहें, ताकि अनुबंधों के अनुरूप प्राथमिक और सेकेंड्री कूड़ा अलग-अलग छांटकर शिवरी प्लांट तक भेजा जा सके।

मूंग खरीदी में गड़बड़ी कर रहे अधिकारी : पटवारी

» पीसीसी चीफ ने सीएम को लिखा पत्र, न्यायिक जांच की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के सागर जिले में मूंग खरीदी में गड़बड़ी को लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सीएम मोहन यादव को पत्र लिखा है और न्यायिक जांच की मांग की है। पटवारी ने आग्रह किया है कि मामले की न्यायिक जांच करवाई जाए नहीं तो सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

जीतू पटवारी ने पत्र में लिखा कि सागर जिले में 47,744 हेक्टेयर में मूंग बोई गई। कुल संभावित उत्पादन 3,72,403 क्विंटल हुआ। लेकिन, मंडी और समर्थन मूल्य पर खरीदी दिखाई गई 4,26,998 क्विंटल। यानी 54,595 क्विंटल मूंग हवा से पैदा हो गई। पटवारी ने लिखा कि क्या भाजपा सरकार बताएगी कि यह अतिरिक्त मूंग कहां से आई?

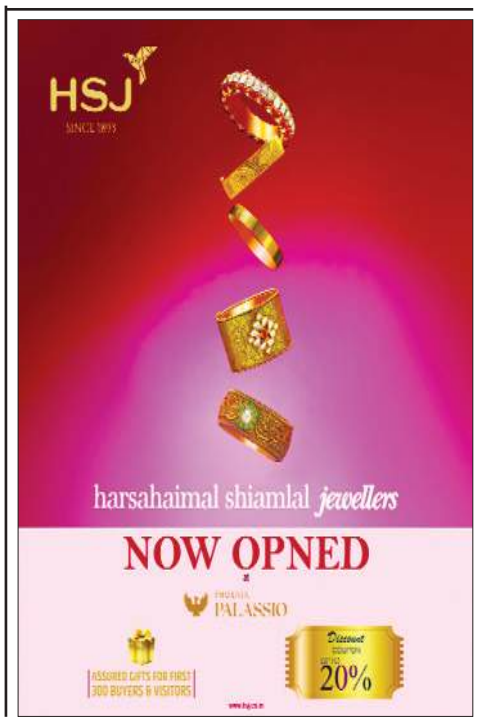

मोदी के बिहार दौरे पर सियासी बवाल

» भाजपा और राजद में वार-पलटवार

» विपक्ष बोला- जुमला देने आते हैं बिहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना/ गया। जैसे-जैसे बिहार में चुनाव नजदीक आ रहे हैं पीएम मोदी की रैलियों का तादात बढ़ रही है। वह एकबार फिर बिहार में कई योजनाओं का आगाज करेंगे। उधर पीएम के दौरे पर राज्य में सियासी रार भी शुरू हो गई है। राजद समेत अन्य विपक्षी दलों ने भाजपा को पीएम में जोरदार हमला बोला है।

राजद सुप्रीमो लालू ने तंज कसते हुए कहा कि पीएम अपना पिंडदान कराने आ रहे हैं। इस बयान के बाद लालू पर भी हमले तेज हो गए हैं। वहीं मंच पर बिहार एनडीए के नेताओं ने स्वागत किया। उन्हें यक्षिणी की प्रतिमा भेंट की गई। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने पीएम मोदी के खूब तारीफ की। एनडीए सरकार की उपलब्धियां गिनाई। वहीं जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष व सांसद संजय झा ने कहा कि डेढ़ घंटा में पटना से गया पहुंचना सीएम और पीएम के कारण संभव हो सका है। कभी किसी ने नहीं सोचा था। गंगाजल सीएम लेकर आए औश्र गया-बोधगया के सभी घरों में गंगाजल पेयजल के रुप में उपलब्ध कराया। दूसरा गया में रबर डैम का निर्माण कराया। गया बिहार का सबसे बड़ा औद्योगिक केंद्र बनकर उभरेगा। डबल इंजन की सरकार जिस तरह से काम कर रहे हैं। नए बिहार के नवनिर्माण का समय अब आया है।

बिहार में नरेंद्र मोदी की सोच वाली सरकार बनी है : चिराग पासवान

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि पीएम का निरंतरता में बिहार आना यह दर्शाता है कि उनके लिए बिहार और बिहारी कितना मायने रखते हैं। जिस विकसित बिहार का संकल्प हमने देखा था। पीएम के नेतृत्व में बिहार की यह डबल इंजन की सरकार आने वाले दिनों में बिहार और बिहारियों के हर सपने को पूरा करेगी। जिस लक्ष्य के साथ हमलोग आगे ब? रहे हैं विकसित बिहार बनाने का उस लक्ष्य को भी हासिल करेंगे। मैं आग्रह करुंगा कि यह जरुरी है कि बिहार में नरेंद्र मोदी की सोच वाली सरकार बनी है। सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में जिस तरह से इस सरकार ने जनहित

लालू यादव की सरकार नरसंहार की सरकार थी: नित्यानंद राय

भाजपा नेता नित्यानंद ने कहा आज हम जहां हैं हम उस समय युवा मोर्चा के कार्यकर्ता थे। जब हमलोग गया, औरंगाबाद, जहानाबाद आते थे तो चित्कार सुनाई देती थी। लालू यादव की सरकार नरसंहार की सरकार थी। अपने परिवार के लिए सत्ता का प्रयोग करने वाली लालू की पार्टी है। आज तेजस्वी उनके साथ घूम रहे हैं। जो 70 साल से वोट चोरी करते आ रहे हैं। 72 हजार वोट चोरी कर संविधान निर्माता को बाहर निकालने का काम किया था। नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में लगातार विकास और नौजवानों को नौकरी देने के लिए जो योजनाएं आती हैं।

पिंडदान कराने आ रहे पीएम मोदी : लालू

राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी गया में नीतीश कुमार की राजनीति और उनकी पार्टी का पिंडदान करने आ रहे हैं। अब लालू प्रसाद के इस बयान के बाद सियासी घमासान शुरू हो गया है। वहीं राहुल गांधी ने बिहार की जनता से पूछा कि मैं आप सभी से एक सीधा सवाल पूछना चाहता हूं कि जो सरकार वोट चोरी से बनी हो, क्या उसका इरादा कभी जनसेवा हो सकता है? नहीं ना! उन्हें आपके वोट की ज़रूरत ही नहीं, इसलिए आपकी समस्याओं की परवाह भी नहीं। आज की स्थिति आपके सामने है।

पांच लोगों ने भाजपा-आरएसएस से पैसे लेकर बर्बाद की मेरी जिंदगी: तेज प्रताप

» बोले- पटना से लेकर दिल्ली तक सक्रिय हैं पांचों

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पांच लोगों ने मिलकर उनकी जिंदगी पूरी तरह से बर्बाद करने की साजिश रची। इन लोगों ने मेरी जिंदगी को तहस-नहस करने का काम किया।

यह पांचों जयचंदों के अलावा हैं। जैसे जयचंदों ने मेरे करियर को बर्बाद करने का काम किया उसी तरह इन पांच लोगों ने मेरी जिंदगी के साथ खिलवाड़ किया। इनलोगों ने साजिश रचकर मेरे राजनीतिक करियर पर दाग लगा दिया। इसीलिए अब मैं कोर्ट जाऊंगा और इन्हें खिलाफ केस दर्ज करवाऊंगा। पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने कहा कि मुझे लगता है कि इन लोगों ने आरएसएस और भाजपा से पैसे लिए और मेरी छवि खराब करने की कोशिश की, क्योंकि चुनाव नजदीक हैं और युवाओं में मेरे प्रति क्रेज बढ़ रहा है। इसीलिए बहुत जल्द फोटो के साथ इन पांच परिवार के लोगों को बेनकाब करूंगा। तेज प्रताप यादव ने आगे कहा कि वह जल्द ही उन पांच परिवारों के नाम सार्वजनिक करेंगे। उनके मुताबिक, ये साजिशकर्ता पटना से लेकर दिल्ली तक सक्रिय हैं। तेज प्रताप ने आरोप लगाया कि इनमें से कई लोग कभी राजद में थे, लेकिन अपनी करतूतों के चलते पार्टी से निकाले जा चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इन लोगों का और कोई काम नहीं है, सिर्फ सोशल मीडिया पर सक्रिय रहकर दूसरों की छवि धूमिल करना। मैं अब एक एक लोगों का पर्दापाश करूंगा।

कांग्रेस विधायक वीरेंद्र पप्पी के ठिकानों पर की छापेमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को गेमिंग ऐप्स में कथित अवैध धन हस्तांतरण की जाँच के तहत चित्रदुर्ग जिले के चल्लकेरे कस्बे में कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र पप्पी और उनके भाइयों के आवासों पर छापेमारी की। अधिकारियों के अनुसार, चित्रदुर्ग, बेंगलुरु और गोवा सहित 17 स्थानों पर एक साथ छापे मारे गए।

20 वाहनों में सवार 40 से अधिक ईडी अधिकारियों ने केसी नागराज और केसी टिप्पेस्वामी के घरों सहित वीरेंद्र से जुड़ी कई संपत्तियों की तलाशी ली। यह कार्रवाई 2016 में वीरेंद्र के आवास पर आयकर विभाग के छापे के वर्षों बाद हुई है, जिसमें एक बाथरूम में छिपाकर रखे गए 5 करोड़ रुपये से अधिक नकद और 30 किलोग्राम सोना बरामद हुआ था। ईडी सूत्रों का आरोप है कि वीरेंद्र की कंपनियों - रत्ना गोल्ड, रत्ना मल्टी सोर्स, पप्पी टेक्नोलॉजी और रत्ना गेमिंग सॉल्यूशंस - का इस्तेमाल गेमिंग ऐप्स से जुड़े अवैध धन हस्तांतरण के लिए किया गया था।

चुनाव आयोग बना अब चुराओ आयोग: जयराम रमेश

» वोट चोरी पर जवाब नहीं देने का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर तीखा हमला बोला और बड़े पैमाने पर मतदाताओं के दमन का आरोप लगाया और चुनाव आयोग पर केंद्र सरकार के दबाव में काम करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि जब 21 जुलाई को अध्यक्ष ने फैसला सुनाया, तो उन्होंने जगदीप धनखड़ का इस्तीफा क्यों मांगा? वे क्या संदेश देना चाहते थे? जब लोकतंत्र की हत्या हो रही है, भारत का चुनाव आयोग वोट चोरी पर कोई जवाब नहीं दे रहा है और मुख्य चुनाव आयुक्त लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को धमका रहे हैं, 65 लाख लोगों के वोट छीने जा रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने ऐसी परिस्थितियों में संसदीय कार्यवाही की प्रासंगिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब देश में लोकतंत्र या संविधान ही नहीं है, तो शून्यकाल और प्रश्नकाल का क्या मतलब है? वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने सरकार पर दलितों और ओबीसी को निशाना बनाकर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में जानबूझकर मतदाताओं के नाम हटाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, यह चुनाव आयोगनहीं, बल्कि चुराओ आयोग है। एसआईआर प्रक्रिया में सिर्फ़ मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं।

मतदाताओं के नाम हटाए जाने के ठोस सबूत पेश किए : वेणुगोपाल

इस बीच, कांग्रेस के एक अन्य नेता केसी वेणुगोपाल ने बिहार में मतदाता सूची के मुद्दों पर चिंता व्यक्त करते हुए, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बिहार को न्याय दिए जाने पर विश्वास व्यक्त किया। वेणुगोपाल ने कहा कि बिहार में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में निकाली गई यात्रा के दौरान, लोगों ने मतदाता सूची से वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाए जाने के ठोस सबूत पेश किए हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि सुप्रीम कोर्ट बिहार को न्याय देगा। यह आम धारणा है। बिहार में एसआईआर से जुड़े कुछ वास्तविक मुद्दे हैं। राहुल जी और तेजस्वी जी बिहार में यात्रा कर रहे हैं, और लोग ठोस सबूतों के साथ उनसे शिकायत कर रहे हैं। हम देख सकते हैं कि कितने वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। हमें सुप्रीम कोर्ट से न्याय की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री ने भारत के चुनाव आयोग से यह प्रक्रिया अपनाने को कहा है क्योंकि वे जानते हैं कि दलित और पिछड़े वर्ग भाजपा को नहीं, बल्कि भारत गठबंधन को वोट देंगे। वे वोट छीनना चाहते हैं क्योंकि चुनाव जीतने का यही एकमात्र तरीका है।

संसद की सुरक्षा में फिर हुई चूक

पुलिस की व्यवस्था पर उठे सवाल, दीवार फांदकर भीतर घुसा शख्स, सुरक्षाबलों ने दबोचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद भवन की सुरक्षा में एकबार फिर सेंध लगी है। इसी के साथ सुरक्षा व सरकार की व्यवस्था पर सवाल भी उठ गए हैं। जानकारी के अनुसार एक शख्स शुक्रवार (22 अगस्त 2025) को उसकी दीवार पर चढ़ गया। हालांकि बाद में सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। सूत्रों के मुताबिक यह घटना सुबह करीब 6.30 बजे घटी और इसे लेकर आगे की जांच जारी है।

यह घटना संसद के मानसून सत्र के समाप्त होने के एक दिन बाद हुई है. बताया जा रहा है कि एक शख्स पेड़ के सहारे दीवार पर चढ़ा और फिर संसद भवन परिसर के अंदर कूद गया। रेल भवन की तरफ से इस व्यक्ति ने दीवार फांदी। इसके बाद वह नई संसद भवन के गरुड़ द्वार तक पहुंच गया। उस शख्स को वहां घुमते हुए देखकर संसद भवन में मौजूद सिक्योरिटी ने उसे पकड़ लिया।

ऐसी ही घटना पिछले साल भी हुई थी

सुरक्षा की सुरक्षा में सेंध की एक ऐसी ही घटना पिछले साल भी हुई थी, जब 20 साल की उम्र का एक व्यक्ति संसद भवन एनेक्सी में घुस गया था। इस घटना का एक कथित वीडियो भी सामने आया था, जिसमें संदिग्ध व्यक्ति, जो शॉर्ट्स और टी-शर्ट पहने हुए था, उसे सीआईएसएफ ने पकड़ा था। तलाशी के दौरान उस व्यक्ति के पास से कोई आपत्तिजनक सामान नहीं मिला था।

संसद हमले के बरसी के दिन हुई थी भारी चूक

साल 2023 में भी संसद हमले के बरसी के दिन भारी सुरक्षा चूक की घटना हुई है। सागर शर्मा और मनोरंजन डी, दो युवक संसद में जारी कार्यवाही के बीच लोकसभा कक्ष में घुस गए थे। इन लोगों ने संसद में दर्शक दीर्घा से कूदने के बाद लोकसभा कक्ष के अंदर पीले धुएं का गुब्बार फोड़ा था। हालांकि, सदन में मौजूद सांसदों ने दोनों को दबोच लिया उसी समय संसद के बाहर नीलम आजाद और अमोल शिंदे ने धुआंधार गुब्बारे भी फोड़े और नारे लगाए। इस मामले में कुल 6 लोगों की गिरफ्तारी हुई। अन्य दो आरोपियों में महेश कुमावत और ललित झा शामिल थे। ललित झा को पूरे घटनाक्रम का मास्टरमाइंड माना जाता है। दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा चूक मामले में पटियाला हाउस कोर्ट में 900 पन्नों से अधिक की चार्जशीट दायर की थी।

केंद्रीय मंत्री के बंगले के पास मिले जले वोटर कार्ड, उठे सवाल

भोपाल (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। देश भर में चल रहे मतदाता सूची विवाद के बीच, मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ में केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार के आवास के सामने लगभग 43 मतदाता पहचान पत्र (कुछ जले हुए) बरामद किए गए, जिसके बाद ज़िले के अधिकारियों ने जाँच के आदेश दिए हैं। यह घटना तब सामने आई जब एक सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष विवेक चतुर्वेदी ने मंत्री के आवास के सामने ये कार्ड देखे और तुरंत अधिकारियों को सूचित किया। टीकमगढ़ कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने बताया, तहसीलदार को सूचना मिली थी कि सर्किट हाउस को शहरी क्षेत्र से जोड़ने वाली गली के पास कुछ मतदाता पहचान पत्र पड़े हैं। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए, उन्होंने कार्ड बरामद कर लिए और मैंने मामले की जाँच के आदेश दे दिए हैं। शुरुआती जाँच में पता चला कि ये पुराने और वितरित न किए गए मतदाता पहचान पत्र थे। उन्होंने आगे कहा, जब हमने उन लोगों से संपर्क किया जिनके मतदाता पहचान पत्र मिले थे, तो पता चला कि उनके पास पहले से ही उसी ईपीआईसी नंबर वाले मतदाता पहचान पत्र मौजूद थे। प्रशासन उस व्यक्ति का पता लगाने की कोशिश कर रहा है जिसने ये पुराने पहचान पत्र जमा किए थे, और स्पष्ट किया कि अब तक किसी भी तरह के दुरुपयोग की सूचना नहीं मिली है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।